



पूर्सा समाचार



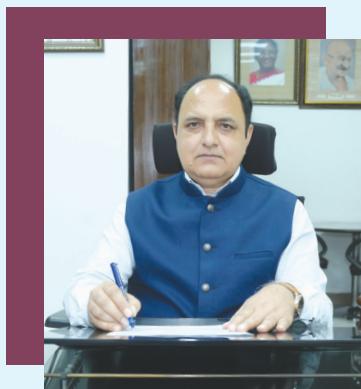
**ग्रेनैंडेक्स - ई-नाम के
लिए एक स्वचालित
अनाज भौतिक शुद्धता
विश्लेषक**

समाचार सूची

मुख्य आकर्षण	02
अनुसंधान	02
शिक्षा	04
प्रसार	05
क्षमता निर्माण	10
विविध	11

संकलन समिति

संयुक्त निदेशक (अनु.) : डॉ. विश्वनाथन सी.	
प्रभारी, प्रकाशन यूनिट: डॉ. अंजलि आनंद	
सह-प्रभारी : डॉ. अतुल कुमार	
निजी सचिव : श्री बी.एस. रावत	
वेबसाइट : http://www.iari.res.in	



निदेशक की कलम से.....

इस तिमाही में, संस्थान ने बीज खेप की भौतिक शुद्धता विश्लेषण के लिए, सी-डैक, कोलकाता के सक्रिय सहयोग से ग्रेनैंडेक्स यंत्र विकसित किया है। इस नवाचार में गुणवत्ता-आधारित बीज मूल्य निर्धारण की सुविधा के द्वारा ई-नाम बाजारों को परिवर्तित करने की क्षमता है। औद्यानिक फसलों में, बढ़ी हुई एंथोसायनिन सामग्री और विस्तारित क्षेत्र-स्थायी क्षमता के साथ बंदगोभी के एक नए संकरण और अत्यधिक पुष्पनशील गेंदे की दो किस्मों की जारी किए जाने के लिए पहचान की गई। अन्य महत्वपूर्ण अनुसंधान उपलब्धियों में शामिल हैं: भंडारण के दौरान बूचिड संक्रमण से बचाने के लिए चने के बीजों को कोटिंग करने के लिए एक बहुलक समग्र डिजाइन करना, फॉस्फोरस-सीमित और उच्च CO₂ रिथितियों के अंतर्गत चावल में परिवर्तित C: N: P स्टोइकोमेट्री का प्रदर्शन और टमाटर के फल की गुणवत्ता के गैर-विनाशकारी आकलन के लिए मॉडल का विकास शामिल है। आपदा तथा जोखिम प्रबंधन में हुए अनुसंधान के परिणामस्वरूप मशीन अधिगम का विकास हुआ है और बाढ़ के कारण फसल को हुई क्षति के मूल्यांकन के लिए सुदूर संवेदन आधारित विधि विकसित की गई है।

संस्थान ने अपना 119^{वीं} स्थापना दिवस एक विशेष व्याख्यान और विभिन्न स्मारक गतिविधियों के साथ मनाया। संस्थान के पूर्व छात्र सम्मेलन का उद्घाटन भारत और विदेश से विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों का एक सफल समागम था। किसानों और छात्रों के कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से कई क्षमता निर्माण कार्यक्रम और उन्नत कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। “एक पेड़ माँ के नाम” और “एक पौधा अपनाने की पहल” के बैनर





तले दो उत्साही वृक्षारोपण अभियान चलाए गए। संस्थान के वैज्ञानिकों ने उल्लेखनीय बाहरी वित्त पोषित अनुसंधान अनुदान प्राप्त किए और उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में कई सहकर्मी-समीक्षित लेख प्रकाशित किए। हमने किसानों और खेतिहर महिलाओं के लिए किसान गोष्ठियाँ, प्रदर्शनियाँ और प्रदर्शन भी आयोजित किए।

मुझे पूरा विश्वास है कि पूसा समाचार के इस अंक में दी गई जानकारी किसानों और हितधारकों के लिए उपयोगी होगी। मैं प्रकाशन इकाई के सभी वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को समय पर समाचार पत्र प्रकाशित करने के लिए बधाई देना चाहता हूँ।

टी.आर. शर्मा

निदेशक, भा.कृ.अनु.प.—भा.कृ.अ.सं.



ग्रेनर्सेक्स - ई-नाम के लिए एक स्वचालित अनाज भौतिक शुद्धता विश्लेषक

कृषि उद्योग में, बीज की भौतिक गुणवत्ता का आकलन यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि उपज बाजार के मानकों और उपभोक्ता अपेक्षाओं को सुनिश्चित किया जाए। परंपरागत रूप से, यह मूल्यांकन श्रम-गहन रहा है, जो मैन्युअल निरीक्षण और बुनियादी परीक्षण विधियों पर निर्भर करता है। इन चुनौतियों का समाधान करने और डिजिटल कृषि मिशन और राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) योजना जैसी सरकारी पहलों के साथ संरचित करने के लिए, ग्रेनर्सेक्स मशीन भा.कृ.अनु.प.—भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (भा.कृ.अ.सं.), नई दिल्ली में बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी संभाग तथा उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र (सी-डैक), कोलकाता के बीच सहयोग का परिणाम थी। यह मशीन भौतिक शुद्धता विश्लेषण के लिए पूरी तरह से स्वचालित दृष्टिकोण का उपयोग करती है, जो पारंपरिक विधियों का एक तीव्र और अधिक विश्वसनीय विकल्प प्रदान करती है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमर्झआईटी)

द्वारा लॉन्च किए गए, ग्रेनर्सेक्स के तीन प्रोटोटाइप बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी संभाग, (भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली), विरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), रांची और राजस्थान के मेडता में ई—नाम अनाज बाजार में स्थापित किए गए हैं। ग्रेनर्सेक्स का उद्देश्य गुणवत्ता आधारित मूल्य निर्धारण के माध्यम से ई—नाम बाजारों में परिवर्तनकारी बदलाव लाना है और इससे 1,200 से अधिक ई—नाम से जुड़े बाजारों को लाभ मिलने की संभावना है।

(जोशी एम, घोष ए, अकुली ए एवं
मिश्रा जीपी, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
संभाग तथा सी—डैक, कोलकाता)
monika_sst@iari.res.in



लाल बंदगोभी - बंदगोभी का जीवंत संस्करण

केटीसीबीआर-5: लाल बंदगोभी की एक खुली परागण वाली किस्म जिसकी औसत उपज लगभग 35 टन/हेक्टेयर है, को भा.कृ.अनु.प.—भा.कृ.अ.सं., क्षेत्रीय केन्द्र, कटराईन द्वारा विकसित किया गया है और एसकेयूएसटी, जम्मू और कश्मीर में आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (सब्जी फसलों) की 41^{वीं} समूह बैठक में अंचल-1 (हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर तथा उत्तराखण्ड) के लिए जारी करने के लिए पहचाना गया। इसमें 10-12 गैर-लपेटने वाली, मोमी पत्तियाँ होती हैं और एक बैंगनी, ठोस गोल शीर्ष होता है। यह रोपाई के 80-85 दिनों के

बाद पक जाती है और शीर्ष बनने के 25-30 दिनों तक खेत में टिकी रहती है। इसमें सफेद बंदगोभी (1.32 मिलीग्राम / 100 ग्राम) की तुलना में अधिक एंथोसायनिन सामग्री (11.59 मिलीग्राम / 100 ग्राम) होती है।

(प्रकाश सी एवं कुमार एस,
भा.कृ.अ.प.—भा.कृ.अ.सं, क्षेत्रीय केन्द्र, कटराई)
chanderp@iari.res.in



केटीसीबीआर-5 का शीर्ष बंदगोभी - गैंदे की नई किस्मों की पहचान

खुले फूलों और शैख्या/भूदृश्य निर्माण के उद्देश्य से दो किस्मों की पहचान की गई।

पूसा प्रभा

यह फ्रांसिसी गेंदा समूह से संबंधित है और इसमें बुवाई के 110-120 दिन बाद पुष्प खिलते हैं। इसमें प्रचुर मात्रा में फूल आते हैं, जिसमें प्रति पौधा औसतन 90-100 ठोस, मध्यम आकार के, गहरे नारंगी रंग के फूल आते हैं।



पूसा प्रभा का पुष्प

पूसा श्वेताभ

यह अफ्रीकी गेंदा समूह से संबंधित है और बुवाई के 90–100 दिन बाद फूल देता है। यह किस्म प्रचुर मात्रा में फूल देती है।



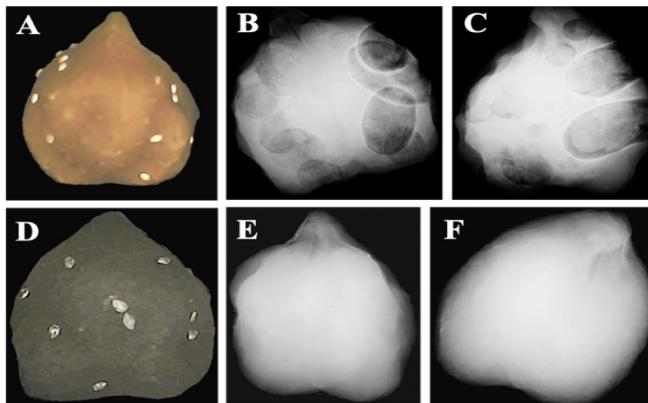
पूसा श्वेताभ के खेत का दृष्टि

और इसमें प्रति पौधा 60–70 क्रीमी सफेद पुष्प उत्पन्न होते हैं।

(सिंह केपी, पंवार एस, नमिता, कुमार पी, सिंह एम, पुष्पविज्ञान संभाग)
kpsingh@iari.res.in

चने का पॉलिमर कम्पोजिट (पीसी)
बीज आवरण- भंडारण के दौरान बूचिड का प्रबंधन

बूचिड भूंग चने में विनाशकारी भंडारण कीट हैं जो भंडारण के तीन महीने के भीतर बीज की व्यवहार्यता को पूरी तरह से प्रभावित कर सकते हैं। पॉलिमर कंपोजिट



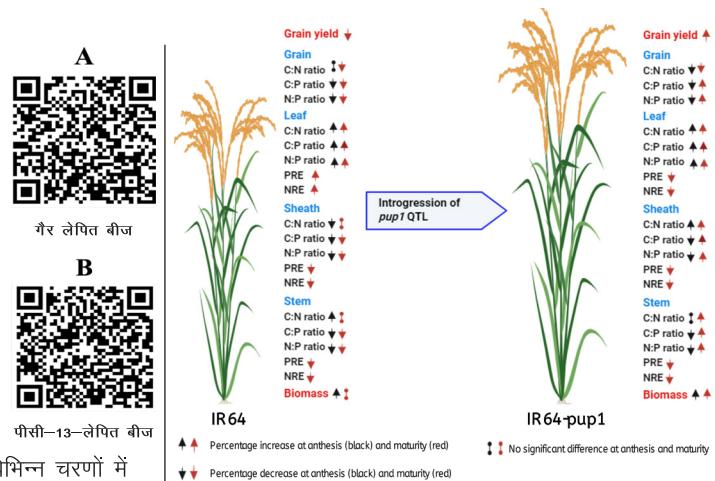
A: सतह पर अंडनिक्षेपण से युक्त गैर-लेपित बीज; B-C: विकास के विभिन्न चरणों में दृश्यमान लार्वा के साथ गैर-लेपित बीज; D: सतह पर अंडनिक्षेपण से युक्त पीसी 11 लेपित बीज; EF: बिना किसी लार्वा के पीसी-लेपित बीज का एक्स-रे रेडियोग्राफ। गैर-लेपित और लेपित बीजों में लार्वा की स्थिति की वीडियोग्राफी देखने के लिए क्यूआरकोड। *संबंधित वीडियो देखने के लिए मोबाइल में क्यूआरकोड को स्कैन करें।

(फेबिना एएस, कुमार ए, भारद्वाज सी, नेबापुरे एसएम एवं कुमार ए एमबी, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संभाग) arunk_sst@iari.res.in

(23 नंबर) को चने के बीजों पर परत चढ़ाने के लिए प्राकृतिक उत्पादों का उपयोग करके डिजाइन किया गया, ताकि बीज की गुणवत्ता को प्रभावित किए बिना उन्हें

पोषक तत्वों का पुनःसंयोजन और C:N:P स्टोइकियोमेट्री - चावल में उच्च CO₂ (eCO₂) और कम फास्फोरस उपलब्धता का प्रभाव

कम फास्फोरस प्रतिबल के तहत विकास, उपज, पोषक तत्व पुनः संयोजन और C:N:P स्टोइकियोमेट्री पर eCO₂ के प्रभाव की जांच पीयूपी1 क्यूटीएल इंट्रोग्रेस्ड आईआर64 (आईआर64-पीयूपी1), कासलाथ (एयूएस प्रकार) और आईआर64 में की गई। सभी पौधों में C:N और C:P अनुपात काफी कम हो गए। अनुपचारित पौधों की अपेक्षा, उपचारित पौधों में N और P पुनः संयोजन क्षमताएं काफी कम हो गई। उपचार प्रभाव आईआर64-पीयूपी1 में अधिक स्पष्ट था, जिससे समान परिस्थितियों में आईआर64 की तुलना में उच्च जैवमात्रा और अनाज की उपज का उत्पादन प्राप्त हुआ। हालांकि, आईआर 64-पीयूपी1 में कम नाइट्रोजन और उच्च फास्फोरस सांदर्भ का प्रदर्शन हुआ, जिससे यह संकेत मिला कि पीयूपी1 क्यूटीएल से नाइट्रोजन अवशोषण की तुलना में फास्फोरस का अधिक अंतर्ग्रहण होता है।



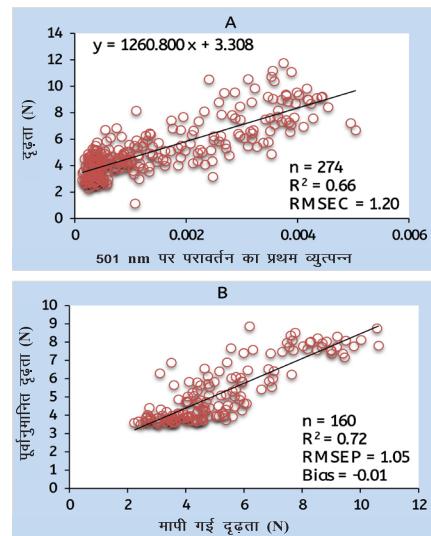
जनक आईआर 64 की तुलना में पीयूपी1 क्यूटीएल अंतर्वेशी आईआर में C:N:P स्टोइकियोमेट्री अनुपात पर उच्च CO₂, और निम्न फास्फोरस प्रतिबल का प्रभाव

(पांडे आर, पादप कार्यिकी संभाग)
renu_pphy@iari.res.in



टमाटर फलों की गुणवत्ता और पोषण संबंधी मापदंडों का गैर-विनाशकारी मूल्यांकन

संपन्नता/परिपक्वता [y संपन्नता/परिपक्वता स्कोर 0.0 से 8.5 तक] = $-2.456 \ln(x) - 1.093$ जहाँ x 521 nm पर परावर्तन है] दृढ़ता [y (दृढ़ता, 11.74 से 1.13 N तक) = $1260.800x + 3.309$ जहाँ, x 501 nm पर परावर्तन का प्रथम व्युत्पन्न है], लाइकोपीन [y (लाइकोपीन सामग्री, 0.003 से $66.04 \mu\text{g g}^{-1}$ FW तक) = $0.1713x^{-1.789}$ जहाँ, x 546 nm पर परावर्तन है] और कुल कैरोटीनॉयड [y (कुल कैरोटीनॉयड, 2.15 से 112.2 $\mu\text{g g}^{-1}$ FW = $1.6638x^{-1.353}$ जहाँ, x टमाटर के फलों का 582 nm पर परावर्तन है)। सूचकांकों को मान्य किया गया और फलों को छाँटने के लिए स्वचालित लागत प्रभावी उपकरण विकसित करने के लिए उनका उपयोग किया जा सकता है।



टमाटर के फल की परिपक्वता के पूर्वानुमान के लिए मॉडल विकसित करने हेतु अंशांकन (A) और वैद्यता (B) ग्राफ

(पॉल वी, पांडे आर एवं साहू आरएन,
पादप कार्यकी संभाग)
vijaypaul@iari.res.in

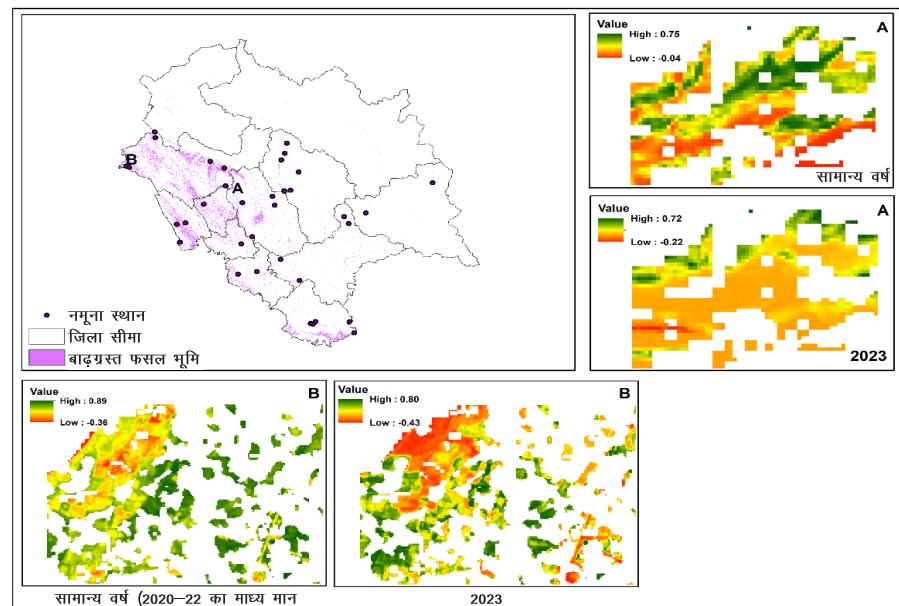
बाढ़ से संबंधित फसल हानि के आकलन के लिए मर्शीन अधिगम (एमएल) -सुदूर संवेदी (आरएस) -डेटा-आधारित विधि का विकास

हिमाचल प्रदेश में अत्यधिक बाढ़ की घटनाओं के कारण उपज में होने वाली हानि

का निर्धारण करने के लिए मॉडल विकसित करने हेतु सुदूर संवेदी आंकड़े और एमएल एल्गोरिदम का उपयोग किया गया। इसके अलावा, 2023 में खरीफ मौसम के दौरान मक्का और चावल की फसल के उत्पादन और संभावित हानि का पूर्वानुमान लगाने के लिए चार एमएल एल्गोरिदम (रैंडम फॉरेस्ट, सपोर्ट वेक्टर रिग्रेशन, k-निकटतम पड़ोसी और एक्सट्रीम ग्रेडिएंट बूटिंग) का मूल्यांकन किया गया। रैंडम फॉरेस्ट ने दूसरों की तुलना में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

आयोजित किया गया। इस अवसर पर, विश्व खाद्य पुरस्कार विजेता, मृदा विज्ञान के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय प्रोफेसर और सीएफईएस रतन लाल सेंटर फॉर कार्बन मैनेजमेंट एंड सीक्वेस्ट्रेशन, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, कोलंबस, यूएसए के निदेशक प्रोफेसर रतन लाल ने 'कृषि खाद्य प्रणालियों की स्थिरता के संबंध में मृदा स्वारश्य' पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने 21वीं सदी में भारतीय कृषि की चुनौतियों पर प्रकाश डाला और प्रकृति-



दो वर्षों में विभिन्न स्थानों पर एनडीवीआई मूल्यों में भिन्नता

मक्का में अधिकतम उत्पादन हानि सोलन (54.13%) में अनुमानित की गई, उसके बाद ऊना (11.06%) और चावल में कांगड़ा (19.1%), ऊना (18.8%) और किन्नौर (18.5%) जिलों का स्थान था। इससे जलवायु संबंधी खतरों के कारण फसल उत्पादन हानि के त्वरित मौसम पूर्वानुमान के लिए पद्धति की उपयोगिता का संकेत मिला।

(कृमार एसएन, पर्यावरण विज्ञान संभाग)

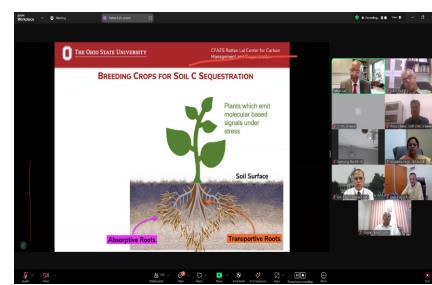
nareshkumar@iari.res.in



31वाँ डॉ. बी.पी. पाल स्मारक व्याख्यान

31वाँ डॉ. बी.पी. पाल स्मारक व्याख्यान 29 मई, 2024 को स्नातक विद्यालय, भा.कृ. अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली और भा.कृ. अ.सं. के आनुवंशिकी कलब द्वारा वर्चुअली

सकारात्मक कृषि, जलवायु-समुद्धानशील फसलों के प्रजनन, कार्बन खेती आदि के महत्व पर बल दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में इस बात पर भी बल दिया कि मृदा स्वारश्य के विज्ञान को आगे बढ़ाने और इसे कार्बोर्वाई में परिवर्तित करने से वैश्विक शांति और राजनीतिक स्थिरता को बढ़ावा दिया जा सकता है और बनाए रखा जा सकता है।



प्रोफेसर रतन लाल द्वारा वर्चुअल मोड में डॉ. बी.पी. पाल स्मारक व्याख्यान

भा.कृ.अ.सं. पूर्व छात्र संघ द्वारा भा.कृ.अ.सं. पूर्व छात्र मिलन समारोह और राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

एनएचईपी—सीएएसटी परियोजना, भा.कृ.अनु.प.—भा.कृ.अ.सं. और भा.कृ.अ.सं. पूर्व छात्र संघ ने 22 जून, 2024 को भारत रत्न डॉ. सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम, एनएएसटी कॉम्प्लेक्स, पूसा, नई दिल्ली में भा.कृ.अ.सं. पूर्व छात्र मिलन समारोह और "भा.कृ.अ.सं. को कृषि अनुसंधान और शिक्षा में एक वैश्विक नेता के रूप में बदलना: एक पूर्व छात्र परिप्रेक्ष्य" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। उद्घाटन समारोह के दौरान, श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार ने वैज्ञानिक समुदाय से छोटे और सीमांत किसानों के हितों को प्राथमिकता देने और भारत को



भा.कृ.अ.सं. पूर्व छात्र संघ के कार्यकारी सदस्य और प्रतिष्ठित पूर्व छात्र भा.कृ.अ.सं. पूर्व छात्र मिलन समारोह और राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान

दलहन व तिलहन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। वैश्विक विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने के लिए संसाधन जुटाने पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।



प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षण	मुख्य विशेषताएं
<p>• मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान संभाग, भा.कृ.अनु.प.—भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण एवं प्रबंधन अकादमी (एएनआरसीएम), लखनऊ ने 15 से 22 मई, 2024 तक 'मृदा, पौधे और जल के विश्लेषण के लिए उपकरण प्रौद्योगिकियाँ' विषय पर एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।</p> <p>• विभिन्न मृदा, पौधे और जल विश्लेषण उपकरणों के संचालन और रखरखाव पर प्रशिक्षण।</p> <p>• प्रतिभागी – 20</p>	<ul style="list-style-type: none"> एससीएसटी के तहत कटेट ने 9 से 10 अप्रैल, 2024 तक पूर्वी चंपारन, बिहार के 100 किसानों के लिए "उच्च उत्पादकता और आय के लिए उन्नत कृषि प्रौद्योगिकी" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसे कृषि विज्ञान केन्द्र, पसौनी, पूर्वी चंपारन, बिहार द्वारा प्रायोजित किया गया। प्रतिभागी – 29



प्रशिक्षण

मुख्य विशेषताएं



- कृषि विज्ञान केन्द्र, गुरुग्राम ने 27–28 जून, 2024 को केवीके परिसर में "बाजरा में समेकित नाशीजीव प्रबंधन" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को हरी खाद, गोबर की खाद, जैव उर्वरक तथा बाजरे में उर्वरकों के संतुलित प्रयोग के बारे में जानकारी दी गई।
- प्रतिभागी – 22

- एएससीआई द्वारा प्रायोजित "मान्यता प्राप्त सोलेनेसियस फसल उत्पादक—पूर्व अधिगम" पर 05–07 जून, 2024 को तीन दिवसीय प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केन्द्र, गुरुग्राम द्वारा आयोजित किया गया था।
- प्रतिभागी – 29



- कृषि विज्ञान केन्द्र, गुरुग्राम ने 27 जून, 2024 को केवीके परिसर में बाजरा में समेकित नाशीजीव प्रबंधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया।
- प्रतिभागी – 15

मिशन/विशेष कार्यक्रम

संस्थान का 119वां स्थापना दिवस

भा.कृ.अनु.प.—भा.कृ.अ.सं. ने 01 अप्रैल, 2024 को डॉ. बी.पी. पाल सभागार में अपना 119वां स्थापना दिवस मनाया, जिसमें कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल (एएसआरबी), नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ने "प्रकृति की तिजोरी खोलना: एक समृद्ध जैव-अर्थव्यवस्था के लिए पादप जैव संसाधन" विषय पर व्याख्यान दिया। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग बायोटेक्नोलॉजी, नई दिल्ली के ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ वैज्ञानिक

डॉ. सुधीर के. सोपोरी ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर अनेक प्रकाशनों का विमोचन किया गया तथा तकनीकी,



एएसआरबी के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार का अभिनंदन



प्रशासनिक और एमटीएस श्रेणियों में कर्मचारियों को वर्ष के दौरान उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। स्कूली बच्चों और स्नातक व स्नातकोत्तर छात्रों ने विभिन्न साहित्यिक गतिविधियों में अपनी उत्साही भागीदारी से स्पाह भर चलने वाले स्थापना दिवस समारोह के उत्साह को और बढ़ा दिया। भा.कृ.अनु.प.—भा.कृ.अ.सं. के निदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने कृषि विज्ञान को आगे बढ़ाने तथा राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा में योगदान देने



ONE DAY MICROBIAL LITERACY INITIATIVE PROGRAM ON स्वच्छ पर्यावरण स्कूल जीवन के लिए नई डगर
Jointly Organized by
DIVISION OF MICROBIOLOGY, ICAR-IARI, NEW DELHI Under the Aegis of ACADEMY OF MICROBIOLOGICAL SCIENCES & ASSOCIATION OF MICROBIOLOGISTS OF INDIA ON OCCASION OF WORLD EARTH DAY
Lalit Mahajan SVM Sr. Sec. School, CPWD Colony Vasant Vihar, New Delhi-110057



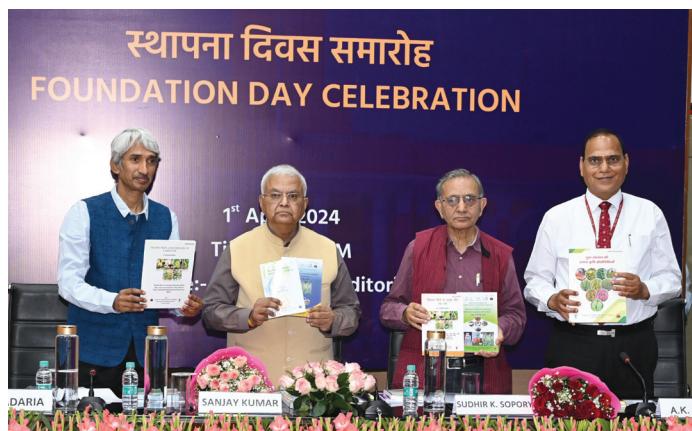
सूक्ष्मजीवविज्ञान संभाग द्वारा छात्रों के लिए "स्वच्छ पर्यावरण स्वच्छ जीवन के लिए नई डगर" विषय पर 'सूक्ष्मजीव साक्षरता' पहल कार्यक्रम का आयोजन

विश्व पर्यावरण दिवस

भा.कृ.अनु.प.—भा.कृ.अ.सं. में पूसा ग्रेजुएट

भा.कृ.अनु.प.—भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली

के स्नातक विद्यालय की पहल नेचर



स्थापना दिवस पर प्रकाशनों का विमोचन

के लिए संस्थान के संस्थापकों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों और हितधारकों के प्रति उनके अदृट समर्थन और समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया।

विश्व पृथ्वी दिवस

ललित महाजन एसवीएम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वसंत विहार, नई दिल्ली में 22 अप्रैल, 2024 को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एएमआई) और एकेडमी ऑफ माइक्रोबायोलॉजिकल साइंसेज के तत्त्वावधान में सूक्ष्मजीवविज्ञान संभाग द्वारा 'स्वच्छ पर्यावरण स्वच्छ जीवन के लिए नई डगर' पर एक दिवसीय 'सूक्ष्मजैविक साक्षरता' शीर्षक का पहल कार्यक्रम आयोजित किया गया। तीन कार्यक्रमों : मुख्य विषय पर काव्य पाठ, नारे के साथ पोस्टर और गमलों की सजावट में कक्षा 5th से 10th तक के छात्रों ने भाग लिया।



भा.कृ.अनु.प.—भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली के निदेशक एवं कुलपति डॉ. ए.के. सिंह द्वारा वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन

स्कूल स्टूडेंट्स यूनियन (पीजीएसएसयू) ने 05 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस पर एक आशुभाषण और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का विषय "बढ़ते जलवायु संकट के विरुद्ध ग्रह को सुधारना" था, जिसके अंतर्गत छात्रों को पर्यावरणीय परिवर्तनों के समाधान के बारे में रचनात्मक अभिव्यक्ति में शामिल किया गया।

कलब ने विश्व पर्यावरण दिवस पर "पौधा अपनाओ पहल" अभियान का आयोजन किया। बी.एससी./बीटेक के 69 छात्रों की भागीदारी से समूह बनाए गए। प्रथम वर्ष के छात्रों को परिसर में अध्ययन के दौरान अमलतास (कैसिया फिस्टुला) और गुलमोहर (डेलोनिक्स रेजिया) के पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी गई।



विश्व पर्यावरण दिवस पर आशुभाषण और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता

पर्यावरण विज्ञान संभाग ने कक्षा छह से पीएच.डी. तक के छात्रों के लिए चित्रकला, भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया।



विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण अभियान

जैवउर्वरकों के प्रयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा मृदा, जल एवं वायु की गुणवत्ता में सुधार के लिए रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग को कम करने के लिए सूक्ष्म जीवविज्ञान संभाग द्वारा किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया।



विश्व पर्यावरण दिवस पर किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा

कृषि विज्ञान केन्द्र, गुरुग्राम में अपने परिसर में नीम, आम, आंवला, जामुन और अमरुद के 50 पौधे लगाकर इस दिवस को मनाया गया।



कृषि विज्ञान केन्द्र, गुरुग्राम में वृक्षारोपण

व्याख्यान

विभिन्न फसलों में पीड़कनाशियों का सुरक्षित उपयोग

हरियाणा के गुरुग्राम स्थित पीड़कनाशी निर्माण परीक्षण संस्थान द्वारा 30 मई 2024 को आयोजित कार्यक्रम में गुरुग्राम जिले के किसानों को विभिन्न फसलों में पीड़कनाशियों के सुरक्षित उपयोग पर व्याख्यान दिया गया। किसानों को विभिन्न प्रकार के पीड़कनाशियों और छिड़काव के दौरान उनके हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में कुल 124 किसानों ने भाग लिया।

अभिनव किसान सम्मेलन

कटेट द्वारा 06 जून, 2024 को डॉ. बी.पी. पाल सभागार, भा.कृ. अ.सं. में एक दिवसीय नवोन्मेषी किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। डॉ. यू.एस. गौतम, उप महानिदेशक (विस्तार), भा.कृ.अनु.प. ने सात किसानों को भा.कृ.अ.सं. अध्येता पुरस्कार और 33 किसानों को नवोन्मेषी किसान पुरस्कार से सम्मानित किया।



नवोन्मेषी किसान सम्मेलन के दौरान पुरस्कृत किसान

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (आरएडब्ल्यूई)

कृषि विज्ञान केन्द्र, गुरुग्राम में सातवें सेमेस्टर के बी.एस.सी. (कृषि) छात्रों के लिए 1 अप्रैल से 10 मई, 2024 तक एक महीने का ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्रों को विभिन्न कौशल जैसे कि वानस्पतिक प्रवर्धन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन तकनीक, मिट्टी और पानी की जांच, ट्राइकोडर्मा उत्पादन, संरक्षित खेती, गृह वाटिकाएं, प्राकृतिक खेती, एकीकृत कृषि प्रणाली, बकरी पालन और डेयरी फार्मिंग के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया गया।



स्नातक छात्रों के लिए ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव

बीज उपचार अभियान

कृषि विज्ञान केन्द्र, गुरुग्राम द्वारा 03 मई, 2024 को गांव रायसीना में बीज उपचार अभियान का आयोजन किया गया। किसानों के लिए जायद और खरीफ मौसम की फसलों के लिए बीज उपचार विधि का प्रदर्शन किया गया।



विशेषज्ञों द्वारा बीज उपचार अभियान का आयोजन

'एक पेड़ माँ के नाम' के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान

कृषि विज्ञान केन्द्र, गुरुग्राम में केवीके परिसर में 28 जून, 2024 को 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें नीम, आम, आंवला, जामुन और अमरुद के पौधे लगाए गए।



'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण

वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) की बैठक

कृषि विज्ञान केन्द्र, गुरुग्राम द्वारा भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के संयुक्त निदेशक (प्रसार) डॉ. आर.एन पड़ारिया की अध्यक्षता में 38^{वीं} एसएसी बैठक आयोजित की गई। बैठक में भा.कृ.अ.सं. के संभागाध्यक्षों, अटारी, जोन II, जोधपुर के अधिकारी और राज्य विभाग, हरियाणा, किसान, कृषक महिलाएं (एसएसी सदस्य) और केवीके कर्मचारियों ने भाग लिया और 2023–2024 के दौरान प्रगति और वर्ष 2024–2025 के लिए कार्य योजना पर चर्चा की।



वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

किसान गोष्ठियां

'पोषण सुरक्षा और किसानों की आय बढ़ाने' पर किसान गोष्ठी

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के कृषि प्रसार संभाग ने 03 मई, 2024 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के मुरादनगर गांव में "किसान गोष्ठी" का आयोजन किया। कार्यक्रम में भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत पोषक तत्वों से भरपूर किस्मों और निर्यातोनुस्खी बासमती चावल की किस्मों को अपनाकर पोषण सुरक्षा और किसानों की आय बढ़ाने के महत्व पर बल दिया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 40 प्रगतिशील किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।



किसानों को बीज सामग्री और कृषि साहित्य का वितरण

पोषण एवं स्वास्थ्य (ई4एनएच) संवर्धन पर किसान गोष्ठी

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के कृषि प्रसार संभाग ने 21 मई, 2024 को उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा, नैनीताल और बागेश्वर जिलों में पोषण और स्वास्थ्य संवर्धन के लिए कृषि प्रसार पर तीन "किसान गोष्ठियां" आयोजित कीं। खेत-खलिहान जागरूकता और किसान तीन जिलों के निम्नलिखित गांवों में गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किए गए : अल्मोड़ा: पपगढ़ और खेती, नैनीताल: हरतोला और गंगरकोट तथा बागेश्वर: बहुली और गरिया गांव। प्रशिक्षु किसानों और कृषक महिलाओं को पोषक रसोई उद्यान किट वितरित किए गए। इससे कुल 600 किसान (300 किसान और 300 खेतिहर महिलाएं) लाभान्वित हुए।



किसानों को बीज सामग्री एवं फार्म साहित्य का वितरण



किसान सम्मान निधि कार्यक्रम पर किसान गोष्ठी

कृषि विज्ञान केन्द्र, गुरुग्राम द्वारा 18 जून 2024 को किसान सम्मान निधि कार्यक्रम के दौरान किसान गोष्ठी आयोजित की गई।

गोष्ठी के दौरान डिप सिंचाई, बायो-फोर्टिफाइड किस्में, ड्रोन तकनीक और प्राकृतिक खेती जैसी विभिन्न प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया गया। माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन का भी प्रतिभागियों को सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में कुल 102 किसानों और कृषक महिलाओं ने भाग लिया।



कृषि विज्ञान केन्द्र, गुरुग्राम में किसान सम्मान निधि कार्यक्रम के अंतर्गत किसान गोष्ठी का आयोजन

कार्यशाला

कटेट द्वारा 07 अप्रैल, 2024 को भा.कृ.अ.सं.-स्वैच्छिक संगठनों की ई-समीक्षा कार्यशाला साझेदारी आउटरीच कार्यक्रम और राष्ट्रीय प्रसार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। खरीफ-2023 के दौरान प्रदर्शन के अंतर्गत फसलों/प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के निदेशक डॉ. ए.के. सिंह की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला में भा.कृ.अनु.प.-संस्थानों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, 26 भागीदार संगठनों के स्वयं सेवकों के 24 अधिकारियों और भा.कृ.अ.सं. के 33 नोडल अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को सबल बनाने के लिए, सफल प्रौद्योगिकियों के मुख्य अंशों का उन्नयन करने और मूल्यांकन के लिए रिकॉर्ड किया गया।

‘बढ़ी हुई घरेलू पोषण सुरक्षा के लिए पोषण उद्यान’ पर कार्यशाला

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के कृषि प्रसार संभाग द्वारा 10 मई, 2024 को हरियाणा के नूह के संगेल गांव में ‘बढ़ी हुई घरेलू पोषण सुरक्षा के लिए पोषण उद्यान’ पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित आहार के महत्व और पोषण सुरक्षा में सजियों के महत्व पर चर्चा की गई। प्रशिक्षुओं को न्यूट्री-किचन गार्डन किट वितरित किए गए।



भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. द्वारा विकसित न्यूट्री-किचन गार्डन किट प्रशिक्षु किसानों को वितरित किए गए

किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के कृषि प्रसार संभाग द्वारा 06 मई, 2024 को उत्तर प्रदेश के दादरी के रूपवास गांव में ‘किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उन्नत खरपतवार और जल प्रबंधन विधियों पर चर्चा की गई और धान

की उच्च उपजशील किस्मों जैसे पीबी1718, पीबी1847, पीबी1692 और पीबी1121 के बारे में जानकारी दी गई।



उच्च धान उत्पादकता के लिए भूमि और जल प्रबंधन विधियों पर व्याख्यान



अनुसंधान अनुदान

स्वीकृत एवं क्रियान्वित बाह्य वित्तपोषित परियोजनाएं (> ₹10 लाख)

शीर्षक	राशि (लाखों में)	अवधि	वित्तपोषित एजेंसी	प्रधान अन्वेषक
सोयाबीन के शिरा परिगलन रोग से जुड़े नए विषाणुओं के एटियोलजी लक्षण-वर्णन और बीज संचरण अध्ययन को उजागर करना	55.3	17 मई, 2024— 16 मई, 2027	डीबीटी — कृषि जैव प्रौद्योगिकी योजना	डॉ. नागमणि सेंड्झा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संभाग
अति-कुशल जैवउर्वरक गतिविधि के साथ अभियंत्रित एजोटोबैक्टर का विकास	79.92	17 मई, 2024— 16 मई, 2027	डीबीटी—तदर्थ वित्तपोषित योजना	डॉ. संगीता पॉल, प्रधान वैज्ञानिक, सूक्ष्मजीवविज्ञान संभाग
सिंक्रिम में असाधारण रूप से उच्च प्रजनन क्षमता को नियंत्रित करने वाले प्रत्याशी जीन (जीनों) का सत्यापन — उत्तर पूर्वी हिमालय की एक अद्वितीय मक्का भूमि प्रजाति और आणविक प्रजनन के माध्यम से उत्कृष्ट अंतःप्रजनन में इसका प्रवेश	97.88	27 जून, 2024— 26 जून, 2027	डीबीटी	डॉ. फिरोज हुसैन, प्रधान वैज्ञानिक, आनुवंशिकी संभाग
दक्षिण भारत के अज्ञात ऊरुम गेहूं की प्रजातियों में हाल ही में विकसित विनाशकारी धारी रतुआ रोग प्रकार 238एस119 के विरुद्ध प्रतिरोध को नियंत्रित करने वाले नए जीनोमिक क्षेत्रों की पहचान	38.72	27 जून, 2024— 26 जून, 2027	डीएसटी—सीआरजी	डॉ. एच. प्रशांत बाबू, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आनुवंशिकी संभाग
जलवायु परिवर्तन से संबंधित कृषि हानि, क्षति, प्रभाव, संवेदनशीलता और राष्ट्रीय संचार (बीटीआर और एफएनसी) के लिए यूएनएफसीसीसी के अनुकूलन का आकलन	44.99	03 अप्रैल, 2024— 02 अप्रैल, 2027	पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	डॉ. नरेश कुमार, अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक, पर्यावरण विज्ञान संभाग
बीयूआर-4, बीटीआर-1 और एफएनसी के लिए भारतीय कृषि क्षेत्र से ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन की सूची: फसल अवशेष जलाना और मिट्टी में यूरिया का प्रयोग	38.10	15 अप्रैल, 2024— 14 अप्रैल, 2027	पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	डॉ. निवेता जैन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, पर्यावरण विज्ञान संभाग
बीयूआर-4, बीटीआर-1 और एफएनसी के लिए कृषि मूदाओं और चावल की खेती से ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन सूची	54.10	07 मई, 2024— 06 मई, 2027	पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	डॉ. आरती भाटिया, प्रधान वैज्ञानिक, पर्यावरण विज्ञान संभाग
ब्रोकोली के द्विगुणित अगुणितों को एमएबीसी का उपयोग करके सीएमएस वंशक्रमों में परिवर्तित करना तथा संकर प्रजनन में उनका उपयोग करना	58.00	08 मई, 2024— 07 मई, 2027	बीआईआरएसी	डॉ. चंद्र प्रकाश, अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.सं.—क्षेत्रीय केन्द्र कर्तराइन
ग्रीष्मकालीन चप्पनकहू में डी.यू.एस. परीक्षण दिशा—निर्देशों का विकास	13.86	14 जून, 2024— 13 जून, 2026	पीपीवी और एफआरए	डॉ. श्याम सुंदर डे, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सब्जी विज्ञान संभाग
लद्दाख क्षेत्र में कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण कीटनाशकजीवों और रोगों का सर्वेक्षण और पहचान	10.00	27 जून, 2024— 26 दिसंबर, 2025	डीआईएचएआर, डीआरडीओ	डॉ. पीआर शशांक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कीटविज्ञान संभाग
पारंपरिक से प्राकृतिक और जैविक खेती की दिशा में परिवर्तन	250.00	25 जून, 2024— 24 जून, 2026	आरकेवीवाई—रफ्तार	डॉ. संदीप कुमार, वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.सं.—क्षेत्रीय केन्द्र, करनाल



चावल के जड़गांठ सूत्रकृषि मेलोइडोगाइन ग्रैमिनिकोला के विरुद्ध एमई5382 के 2% जीआर का मूल्यांकन	12.61	19 अप्रैल, 2024—18 अक्टूबर, 2024	एरीस्टा लाइफसाइंस लिमिटेड.	डॉ. पंकज, अध्यक्ष, सूत्रकृषिविज्ञान संभाग
विभिन्न कृषि प्रबंधन पद्धतियों के अंतर्गत चावल—गेहूं और गन्ना—गेहूं फसल प्रणाली में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर अध्ययन	70.95	25 जून, 2024—24 जून, 2027	वराह कलाइमेजेजी प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. आरती भाटिया, प्रधान वैज्ञानिक, पर्यावरण विज्ञान संभाग
सेब के चूर्णी फफूंद और स्कैब रोग के विरुद्ध ट्राइफ्लुमिजोल 15% ईसी की जैव प्रभावकारिता का मूल्यांकन	13.64	28 मई, 2024—27 मई, 2026	महिंद्रा समिट एग्रीसाइंस लिमिटेड	डॉ. संतोष वटपड़े, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.सं.— क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला
सेब के रोगों के विरुद्ध पीआईएफ 320 के 5% एससी का मूल्यांकन।	21.35	25 जून, 2024—24 जून, 2027	पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड	डॉ. संतोष वटपड़े, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.सं.— क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला

प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण

प्रयोगशाला से खेत पहल के अंतर्गत, 135 उद्योग भागीदारों के लिए भा.कृ.अनु.प.—भा.कृ.अ.सं. की 24 प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण किया गया, जिससे कुल 2.56 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

बौद्धिक संपदा प्रबंधन

इस तिमाही के दौरान, क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी प्रबंधन और व्यवसाय नियोजन विकास इकाई (जेडटीएम और बीपीडी यूनिट) ने छह कॉर्पोरेशन और चार पेटेंट दायर किए।

इनकायूबेशन भवित्विधियाँ

उपजा और अराइज 2024

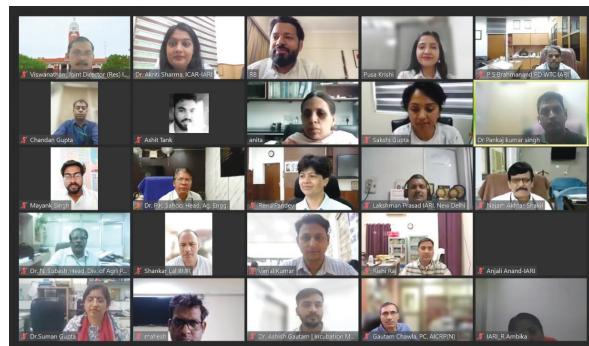
पूसा कृषि, भा.कृ.अ.सं. ने महत्वाकांक्षी उद्यमियों को आवश्यक संसाधन, मार्गदर्शन, वित्त पोषण और मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने के लिए 01 अप्रैल, 2024 को अपना स्टार्टअप इनकायूबेशन कार्यक्रम यूपीजे और एराइज का शुभारंभ किया।

आरएबीआई स्टार्टअप्स के लिए मास्टरक्लास शून्खला

आरकेवीवाई—रफतार के तहत पूसा कृषि की 'रबी स्टार्टअप्स के लिए मास्टरक्लास शून्खला' का आयोजन जेडटीएम और बीपीडी इकाई द्वारा 01—12 अप्रैल, 2024 तक ऑनलाइन मोड में किया गया, ताकि तकनीकी सहायता के साथ उभरते स्टार्टअप को सशक्त बनाया जा सके।

'बौद्धिक संपदा अधिकार-टिकाऊ भविष्य के लिए नवोन्मेष और सृजनशीलता को बढ़ावा देना' विषय पर वेबिनार

जेडटीएम और बीपीडी इकाई द्वारा 26 अप्रैल, 2024 को 'बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) — टिकाऊ भविष्य के लिए नवोन्मेष और सृजनशीलता को बढ़ावा देना' विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया गया, जिसमें पूरे भारत से 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।



'बौद्धिक संपदा अधिकार' पर वेबिनार

वेबिनार में आईपीआर के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया, जिसमें नवोन्मेष में टिकाऊपन पर बल दिया गया।

टेकएक्सचेंज 2024: नवोन्मेष के साथ उद्योग का सशक्तिकरण

जेडटीएम और बीपीडी इकाई ने



एचडी 3386 के लाइसेंस के लिए भा.कृ.अ.सं. और बीज कंपनियों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

30 अप्रैल, 2024 को बी.पी.पाल सभागार, पूसा कैंपस, नई दिल्ली में "टेकएक्सचेंज 2024 — नवोन्मेष के साथ उद्योग का सशक्तिकरण" कार्यक्रम की मेजबानी की। कार्यक्रम का उद्देश्य तकनीकी प्रगति और कृषि में उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटने के लिए उद्योग—अकादमिक के बीच पारस्परिक सम्पर्क सृजित करना था। एचडी 3386 गेहूं की किस्म के लाइसेंस के लिए जेडटीएम और बीपीडी इकाई, भा.कृ.अ.सं. और लगभग 100 बीज कंपनियों के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए।

एग्री इंडिया मीट 4.0

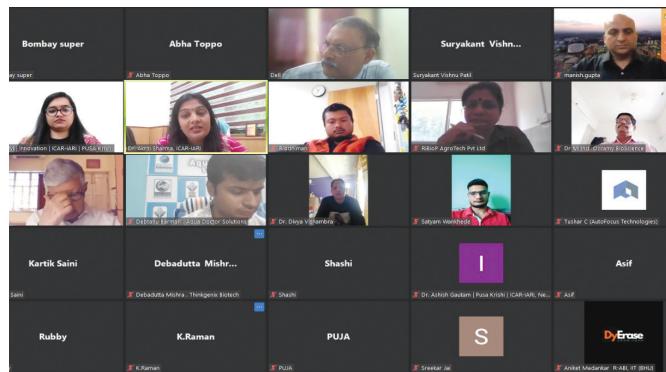
एग्री इंडिया मीट का चौथा संस्करण 10 मई, 2024 को आयोजित किया गया,



जिसका विषय था 'कृषि मूल्य शृंखलाओं में बदलावः आपूर्ति नेटवर्क और लॉजिस्टिक्स की शक्ति'। इस कार्यक्रम से हितधारकों को सार्थक चर्चाओं में शामिल होने, विचारों का आदान-प्रदान करने और कृषि मूल्य शृंखलाओं के भीतर सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए एक मंच प्राप्त हुआ।

कॉर्पोरेट सदस्यता

जेडटीएम एवं बीपीजी इकाई ने सदस्यता के लिए 9 नए उद्योग भागीदारों को नामांकित किया तथा 17 उद्योग भागीदारों की सदस्यता का नवीनीकरण किया, जिससे 1,45,000 रु. का राजस्व प्राप्त हुआ।



वर्तुअल एग्री इंडिया मीट में हितधारक

नास रेटिंग >10.0 वाले प्रकाशन

- अम्बालावनन ए, मल्लिकार्जुन एमजी, बंसल एस, बश्याल बीएम, सुब्रमण्यन एस, कुमार ए, प्रकाश जी. 2024. एनबीएलआरआर जीन कुल का जीनोम-वार लक्षण वर्णन बाजरा (सेंकरस अमेरिकनस (एल.) मोरोन) में प्रध्वंस प्रतिरोध में विकासवादी और कार्यात्मक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। प्लांटा, 259. doi: 10.1007/s00425-024-04413-2.
- बहल के, जायसवाल पी और पब्बी एस. 2024. प्रभावी वितरण और कृषि स्थिरता के लिए सूक्ष्मजैविक और नैनो-फार्मूलेशन में वर्तमान प्रगति। बायोकैटेलिसिस एंड एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, 58. doi: org/10.1016/j.bcab.2024.103180
- चट्टोपाध्याय ए, जेलानी एएके, रॉय ए, मुखर्जी एसके, मंडल बी. 2024. खीरा वर्गीय फसलों के हरे धब्बा चित्ती विषाणु जीनोम—आधारित द्विदलीय वाहक प्रणाली द्वारा विदेशी जीन अभिव्यक्ति की संभावनाओं का विस्तार करना। प्लांट्स (बेसल), 13. doi: 10.3390/plants13101414.
- चौखंडे पी, लूथरा एस.के., पटेल आर.एन., पाधी एस.आर., मानकर पी, मंगल एम, रंजन जे.के., सोलंके ए.यू.
- मिश्रा जी.पी., मिश्रा डी.सी., सिंह बी., भारद्वाज आर., तोमर बी.एस., रियार ए.एस. 2024. आलू में जैव रासायनिक लक्षणों के त्वरित आकलन के लिए निकट-अवरक्त परावर्तन स्पेक्ट्रोस्कोपी पूर्वानुसान मॉडलिंग का विकास और सत्यापन। फूड्स, 13. doi: 10.3390/foods13111655.
- चौधरी एस, बंसल एस, झा एसके, सहारन एमएस, चौधरी एमके, अग्रवाल पी, मलिक एन, विनोद। 2024. ट्रिटिकम मिलिटिनी व्युत्पन्नों में रतुआ प्रतिरोध के स्रोतों का लक्षण—वर्णन और पहचान। साइंटिफिक रिपोर्ट, 14. doi: 10.1038/s41598-024-59902-x.
- दत्ता टी.के., रूपिनीकृष्ण के., अखिल बी.एस., वशिष्ठ एन., फणी बी., पंकज, सिरोही ए., चिन्नुसामी बी. 2024. एमिनो एसिड परमीज़ जीन (ए.ए.पी.6) के सी.आर.आई.एस.पी.आर./सीएएस9-प्रेरित नॉकआउट ने मेलोइडोगाइन इनकॉग्निटा के प्रति अरेबिडोप्सिस थैलियाना की संवेदनशीलता को कम कर दिया। बी.एम.सी. प्लांट बायोलॉजी, 24. doi: 10.1186/s12870-024-05175-5.
- गोदारा आर, कौशिक पी, त्रिपाठी के, कुमार आर, राणा वी.एस., कुमार आर, मंडल ए, शनमुगम वी, पंकज और शकील एन.ए. 2024. ग्रीन संश्लेषण, संरचना—गतिविधि संबंध, सिलिको आणविक डॉकिंग, और उपन्यास प्रीनिलेटेड चाल्कोन्स की प्रतिकवकीय गतिविधियाँ। क्रॉटियर इन केमिस्ट्री, 12. doi: 10.3389/fchem.2024.1389848.
- जोशी पी, महरा जी.एस., जेठी आर., सत्यप्रिया, सिंह आर., बिश्नोई एस., साहू एस., सरकार एस. और बर्मन आर.आर. 2024. भारत में चावल—गेहूँ उत्पादन प्रणाली में कठिन परिश्रम का श्रमविज्ञानी मूल्यांकन: महिला किसानों का एक केस अध्ययन। क्रॉटि स्टेनेबल फूड सिस्टम्स, 8. doi: 10.3389/fsufs.2024.1346980.
- कामराजू डी, चट्टर्जी एम, पपोलू पीके, शिवकुमार टीएन, श्रीवत्सा आर, हाडा ए, राव यू. 2024. न्यूरोमोटर जीन FMRFamide-like पेप्टाइड-14 (Mi-flp14) को लक्षित करने वाले मेजबान प्रेरित आरएनए हस्तक्षेप ने बैंगन में मेलोइडोगाइन इनकॉग्निटा परजीवी की सफलता को बाधित किया। प्लांट सेल रिपोर्ट्स, 43. doi: 10.1007/s00299-024-03259-y.



- कौर एस, सीम के, दुहान एन, कुमार एस, कौड़ल आर, मोहपात्रा टी. 2024. तुलनात्मक miRNome और ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण से अंतर्थ सूखा प्रतिबल के तहत निरंतर कृषि प्रदर्शन में शामिल चावल के पुष्पगुच्छ में नए miRNAs की अभिव्यक्ति का पता चलता है। प्लांटा, 259. doi: 10.1007/s00425-024-04399-x.
- खान एडब्ल्यू गर्ग वी, सन एस, गुप्ता एस, डुड्चेंको ओ, रुड़कीवाल एम, चिटिकिनेनी ए, बेयर पीई, शि सी, उपाध्याय एचडी, बोहरा ए, भारद्वाज सी, मीर आरआर, बारूक के, यांग बी, कोयने सीजे, बंसल केसी, गुयेन एचटी, रोनेन जी, एडेन ईएल, वेनेकलास ई, सिद्धीकी के एचएम, लियू एक्स, एडवड्स डी, वार्ष्य आरके। 2024. सिसर सुपर-पैन्जीनोम चने में फसल सुधार के लिए प्रजातियों के विकास और सस्यविज्ञानी विशेषक स्थल में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। नेचर जेनेटिक्स, 56. doi: 10.1038/s41588-024-01760-4.
- कुमार के, परिहार सी.एस., नायक एच.एस., सेना डी.आर., गोदारा एस., धाकड़ आर., पात्रा के., सरकार ए., भारद्वाज एस., धासल पी.सी., एल. मीना ए., रेण्डी के.एस., दास टी.के., जाट एस.एल., शर्मा डी.के., सहारावत वाई.एस., सिंह यू., जाट एम.एल., गथला एम.के. 2024. संरक्षण कृषि आधारित मक्का—गेहूँ प्रणाली में विविध नाइट्रोजन प्रबंधन विकल्पों के तहत सी.ई.आर.ई.आर. ई.एस.—मक्का (डी.एस.ए.ए.टी.) का उपयोग करके मक्का विकास और नाइट्रोजन गतिशीलता की मॉडलिंग। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 14. doi: 10.3389/fsufs.2024.1321472.
- कुमार एम, साहू पीके, कुशवाह डीके, मणि आई, प्रधान एनसी, पटेल ए, तारिक ए, उल्लाह एस, सौफान डब्ल्यू. 2024. जीरा हार्वेस्टर के विकास के लिए बल और शक्ति की आवश्यकता: एक गतिशील दृष्टिकोण। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 14. doi: 10.1038/s41598-024-64473-y.
- कुमार आरआर, बकशी एस, गोस्वामी एस, कुमार एस, थिम्मेगौड़ा वी, जाम्बुलकर एसजे, मिश्रा जीपी, राय जीके, नरेश कुमार एस, सिंह बी, सिंह जीपी, चिन्नुसामी वी, प्रवीण एस. 2024. अंतर्थ ताप प्रतिबल सहनशीलता बढ़ाने और अनाज की गुणवत्ता में सुधार के लिए विकसित गेहूँ परवर्तकों की प्रतिरक्षा अनुक्रिया को स्पष्ट करना। जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन, doi.org/10.1007/s00344-024-11355-2
- कुंदु एम, कृष्णन पी, प्रसाद एस, चावला जी. 2024. फलों और सब्जियों के अर्क में फॉर्मलिडाइड का सटीक पता लगाने के लिए ग्रीन नैनोसेंसर फूड कैमिस्ट्री, 260. doi: 10.1016/j.foodchem.2024.138520.
- कुंदु एम, कृष्णन पी, वशिष्ठ ए, सेठी एस, कुमार आर, चावला जी, डिल्लों एमके. 2024. पत्तेदार सब्जियों में नाइट्रेट का पता लगाने के लिए मक्का के रेशों के अर्क का उपयोग करके टिकाऊ हरे नैनोसेंसर का विकास। बायोसेंसर एंड बायोइलेक्ट्रॉन, doi: 10.1016/j.bios.2024.116447.
- कुंदु आर, शकील एनए, नारायण एन, कामिल डी, राणा वीएस, त्रिपाठी केपी और कौशिक पी. 2024. नवीन इंडाज़ोलिलक्रोमोन्स: संश्लेषण, कवकनाशी मूल्यांकन, आणविक डॉकिंग और जलीय विषाक्तता पूर्वानुमान. फ्रॉटियर्स इन कैमिस्ट्री, 12. doi: 10.3389/fchem.2024.1411187.
- मलिक ए.एस., शर्मा एन.के, चंद्र ए.के, कुमार पी., त्यागी एस., रघुनंदन के., मुरुकन एन., मलिक एन., झा एस. के, विनोद। 2024. रतुआ प्रतिरोधी गेहूँ संकरों के विकास के लिए Lr19/Sr25 वाले बेहतर चपाती गेहूँ जीनप्ररूप एचडी 3209 का सीएमएस वंशक्रम में रूपांतरण। साइंटिफिक रिपोर्ट, 14. doi: 10.1038/s41598-024-65109-x.
- मंगल एम, श्रीवास्तव ए, मंडल बी, सोलंकी वी, मिराजकर एसजे, शशांक पीआर, कालिया पी, राणा जेसी, शर्मा वीके। 2024. एक सहनशील मिर्च जीनप्ररूप में मिर्च के पर्ण कुंचन रोग के विरुद्ध पोषक प्रतिरोध का दोहन। प्लांट्स (बेसल), 13. doi: 10.3390/plants13121647.
- मीना आरएस, प्रधान जी, सिंह के, कुमार एस, सिंह एके, शशिधर के एस, मीना केके, राव सीएस। 2024. भारत के विध्य क्षेत्र में CO₂ जैवप्रच्छादन और कार्बन क्रेडिट को बढ़ाने के लिए अपघटित भूमि को बहाल करने के लिए कृषि मॉडल। साइंस ऑफ द टोटल एनवायरमेंट, 929. doi: 10.1016/j.scitotenv.2024.172661.
- गौड़ एमएस, शर्मा एसके, खरबीकर एलएल, राधा प्रसन्ना, सांगवान एस., दहूजा ए., दीक्षित ए. 2024. ट्रिप्टोफैन—निर्भर और –स्वतंत्र मार्गों



- के साथ बैसिलस प्रजाति संघ आईएए और इसके व्युत्पन्नों के उत्पादन से मिट्टी के जैविक गुणों, वृद्धि और गेहूं की उपज में सुधार होता है। प्लांट एंड सॉइल doi.org/10.1007/s11104-024-06782-9
- पाटिल बीएल, त्रिपाठी एस. 2024. पपीता (कैरिका पपीता एल.) और उसके वन्य संबंधियों के अलग—अलग अनुक्रियाशील जीनप्ररूपों में पपीता के छल्ला धब्बा विषाणु संक्रमण की अनुक्रिया में सूक्ष्म आरएनए की विभेदनशील अभिव्यक्ति। फ्रंट प्लांट साइंस, 15. doi: 10.3389/fpls.2024.1398437.
 - प्रकाश एनआर, कुमार के, मुथुसामी वी, जुंजारे आरयू हुसैन एफ. 2024. 'सिक्किम प्रिमिटिव' मक्का में प्रजनन की अनूठी आनुवंशिक संरचना को पूरे जीनोम रीसिक्वेंसिंग—आधारित डीएनए बहुरूपता के माध्यम से उजागर किया गया। प्लांट सेल रिपोर्ट्स, 43. doi: 10.1007/s00299-024-03176-0.
 - पुनीत जी.एम., गौतमी आर., कटराल ए., लक्ष्मीषा के.एम., वासुदेव आर., सिंह जी.पी., अर्चक एस. 2024. खेत पर फसल विविधता, संरक्षण, महत्व और मूल्य: भारत के कर्नाटक के परिचमी घाटों से भूमि प्रजातियों का एक केस अध्ययन। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 14. doi: 10.1038/s41598-024-61428-1.
 - राम एस, मलिक वीके, गुप्ता वी, नरवाल एस, सिरोही एम, अंकुश, पांडे वी, गुप्ता ओपी, मिश्रा ए.के., सिंह जी. 2024. चपाती गेहूं (ट्रिटिकम एस्टिवम एल.) में अनाज के लौह, जस्ता और प्रोटीन सामग्री पर लौह और जस्ता उर्वरकों के पत्तों पर उपयोग का का प्रभाव। फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन, 11. doi: 10.3389/fnut.2024.1378937.
 - साहू आर.एन., रेजिथ आर.जी., गखर एस., वेरेलस्ट जे., रंजन आर., कॉडराजू टी., मीना एम.सी., मुखर्जी जे., दास ए., कुमार एस., कुमार एम., धंदापानी आर., चिन्नुसामी वी. 2024. मशीन लर्निंग और रेडिएटिव ट्रांसफर मॉडल का उपयोग करके यूएवी हाइपरस्पेक्ट्रल रिमोट सेंसिंग के माध्यम से गेहूं के जैवभौतिकी वैरिएबल का अनुमान लगाना। कंप्यूटर्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इन एग्रीकल्चर, 15. doi: 10.3390/rs15235496.
 - शर्मा एस, रवितेजा डीएच, कुमार टी, बिंद्राबन पीएस, पांडे आर. 2024. Pup1 के साथ और बिना चावल की किस्मों में बढ़े हुए CO₂ और कम फास्फोरस उपलब्धता के प्रत्युत्तर में पोशक तत्व पुनरगतिकरण और C:N:P स्टोइकोमेट्री। प्लांट फिजियोलॉजी और बायोकैमिस्ट्री, 210. doi: 10.1016/j.plaphy.2024.108657.
 - शिवप्रसाद केएम, दीक्षित एचके, मिश्रा जीपी, सिन्हा एसके, असकी एम, कोहली एम, मिश्रा डीसी, सिंह एके, गुप्ता एस, सिंह ए, त्रिपाठी के, कुमार आरआर, कुमार ए, झा जीके, कुमार एस, वार्ष्ण्य आरके. 2024. क्यूटीएल—सीक दृष्टिकोण का उपयोग करके मसूर (लैंस क्यूलिनरिस मेडिक.) में अति—अग्रीतीपन को नियंत्रित करने वाले स्थानों का चित्रण। प्लांट बायोटेक्नोलॉजी जर्नल, doi: 10.1111/pbi.14415.
 - श्रीवास वीएल, चौधरी ए.के., हरिप्रसाद पी., शर्मा एस. 2024. कृषि योग्य भूमि में जैविक संशोधनों के माध्यम से एंटीबायोटिक प्रतिरोध का संचरण: अरहर—गेहूं फसल प्रणाली के साथ 3—वर्षीय प्रक्षेत्र अध्ययन। जर्नल ऑफ हैज़र्ड्स मटेरियल, 471. doi: 10.1111/pbi.14415.
 - सिंह डी, त्रिपाठी ए, भाटी जे, टॉक जे, सिंह डी, सिद्धीकी एमएच, सिंह एमपी। 2024. एल्युमिनियम प्रतिबल की स्थिति में मसूर (लैंस क्यूलिनरिस मेडिक्स) में एटीपी बाइर्डिंग कैसेट (एबीसी) ट्रांसपोर्टर्स जीन कुल को बंधित करने वाले एटीपी की जीनोम वार पहचान और अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग। प्लांट फिजियोलॉजी बायोकैमिस्ट्री, 211. doi: 10.1016/j.plaphy.2024.108710.
 - सिंह जे, मुंशी ए.डी., सिंह डी, मीना बीआर, सिंह ए.के., नागर ए, लिंगदोह वाई.ए., तोमर बीएस, डे एसएस, रंजन जे.के., सिंह एन, कुमार एन, महाजनी के. 2024. नए स्थिर प्रतिरोधी स्रोतों की पहचान और टमाटर के पर्ण कुंचन नई दिल्ली प्रकोप के विरुद्ध चिकनी तोरी जननद्रव्य के नए स्थिर प्रतिरोधी स्रोतों की पहचान और कृषि—आकृति विज्ञानी निष्पादन का मूल्यांकन। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, 15. doi: 10.3389/fpls.2024.1373352.
 - त्रिपाठी के, कौशिक पी, यादव डीके, कुमार आर, मिश्रा एसआर, गोदारा आर और शकील एनए। 2024. संभावित कवकनाशी के रूप में आइसोक्साज़ोल व्युत्पन्नों का संश्लेषण, प्रतिकवकीय मूल्यांकन, दो—आयामी मात्रात्मक संरचना—गतिविधि संबंध और आणविक डॉकिंग अध्ययन। पेरस्ट मैनेजमेंट साइंस, 1. doi: 10.1002/ps.8152.

भा.कृ.अ.सं. में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय दौरे



दिनांक 30 अप्रैल, 2024 को सुषमा स्वयाज विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय के 71वें व्यावसायिक विदेशी राजनयिक पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों का दौरा



दिनांक 01 मई, 2024 को कोरिया एफएओ एसोसिएशन के अध्यक्ष और एएआरडीओ, कोरिया गणराज्य के सुदूर पूर्व क्षेत्रीय कार्यालय (एफईआरओ) के मानद क्षेत्रीय प्रतिनिधि डॉ ली जुनवोन का दौरा



दिनांक 14 मई 2024 को डॉ. ब्रेंट वेल्स, यूएसएआईडी, सुश्री केली सॉबिंस और सुश्री लीना स्टैनक्यूट-अलेकजेंडर, पीईआर कार्यक्रम, यूएसए का दौरा

निदेशक, भा.कृ.अनु.प.—भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली—110012 की ओर से, प्रकाशन यूनिट द्वारा त्रैमासिक प्रकाशित तथा एम एस प्रिंटर्स, सी—108 / 1 बैक साइड, नारायण इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस—1, नई दिल्ली—110028 द्वारा मुद्रित। दूरभाषः 011—45404606